स्नातक विषय : हिन्दी वोकेशनल

कोर्स कोड – SKD 22006, प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं सर्जनात्मक लेखन

इस प्रश्नपत्र में प्रयोजन मूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ, जनसंचार माध्यम और सर्जनात्मक लेखन के सन्दर्भ में छात्राओं को जानकारी दी जायेगी।

क्रेडिट – 3	अधिकतम अंक – 75 + 25	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 30 + 10

Total No. of Lectures, Tutorials - Practical (Per Semester) 15 + 30 Per Hours

सेमेस्टर प्रथम (प्रथम सत्र)

प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं उसकी विभिन्न प्रयुक्तियाँ

सैद्धान्तिक :

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी का स्वरूप एवं विशेषताएँ।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी (टिप्पण, प्रारूपण (मसौदा लेखन) प्रशासनिक पत्राचार, संक्षेपण, प्रतिवेदन)
3. पारिभाषिक शब्दावली : प्रशासनिक, बैंकिग, कृषि, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली।
4. विधिक हिन्दी।
5. वाणिज्य एवं व्यवसायपरक हिन्दी।

प्रायोगिक प्रदत्त कार्य

नोट : 1. उपर्युक्त में से किन्हीं दो सैद्धान्तिक विषय से छात्राओं को प्रायोगिक कार्य दिए जाएंगे।

2. आवश्यकतानुसार दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

सहायक ग्रन्थ

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – सं0 डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्दीय संस्थान, आगरा।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कार्यालयी हिन्दी – ठाकुर दास, आक्सफोर्ड, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।

स्नातक विषय : हिन्दी वोकेशनल

कोर्स कोड – SKD 22006, प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं सर्जनात्मक लेखन

इस प्रश्नपत्र में प्रयोजन मूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ, जनसंचार माध्यम और सर्जनात्मक लेखन के सन्दर्भ में छात्राओं को जानकारी दी जायेगी।

क्रेडिट – 3	अधिकतम अंक – 75 + 25	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 30 + 10

Total No. of Lectures, Tutorials - Practical (Per Semester) 15 + 30 Per Hours

सेमेस्टर द्वितीय (द्वितीय सत्र)

जनसंचार, माध्यम एवं लेखन

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम :

1. जनसंचार की परिभाषा एवं व्याप्ति।
2. मुद्रण माध्यम (प्रिन्ट मीडिया)
   - (क) समाचार – पत्र
   - (ख) पत्रिकाएं
   - (ग) समाचार पत्रों का संपादन – अच्छे संपादक के गुण, कार्य
3. श्रव्य – दृश्य माध्यम
   - (क) रेडियो – उद्घोषक गुण एवं कार्य।
   - (ख) टेलीविजन – संवाददाता के गुण एवं कार्य।
   - (ग) सिनेमा – समाज पर प्रभाव।
4. विज्ञापन निर्माण : प्रक्रिया सावधानियॉ।
5. फिल्म समीक्षा : साहित्यिक कृतियों पर आधारित।
6. पुस्तक समीक्षा : कुछ सम–सामयिक पुस्तकों का पठन एवं समीक्षा।

सहायक ग्रन्थ :

- प्रयोजन मूलक हिन्दी : दंगल आल्टे
- रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता : डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातक विषय : हिन्दी वोकेशनल

कोर्स कोड – SKD 22006, प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं सर्जनात्मक लेखन

इस प्रश्नपत्र में प्रयोजन मूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ, जनसंचार माध्यम और सर्जनात्मक लेखन के सन्दर्भ में छात्राओं को जानकारी दी जायेगी।

क्रेडिट – 3	अधिकतम अंक – 75 + 25	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 30 + 10

Total No. of Lectures, Tutorials - Practical (Per Semester) 15 + 30 Per Hours

सेमेस्टर तृतीय (तृतीय सत्र)

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम

सैद्धान्तिक :

1. कविता की रचना प्रक्रिया (स्वरूप एवं महत्व)
2. नाटक लेखन (स्वरूप एवं महत्व)
3. कहानी लेखन (स्वरूप एवं महत्व)
4. डायरी लेखन (स्वरूप एवं महत्व)

प्रायोगिक कार्य

1. कविता, कहानी, नाटक एवं डायरी लेखन का प्रशिक्षण।
2. आवश्यकतानुसार दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

नोट : उपर्युक्त में से किन्हीं दो सैद्धान्तिक विषय से संबंधित प्रायोगिक कार्य।

सहायक ग्रन्थ :

1. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता : डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. संचार क्रान्ति और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 अशोक कुमार शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो और दूरदर्शन : डॉ0 राममोहन पाठक, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

स्नातक विषय : हिन्दी वोकेशनल

कोर्स कोड – SKD 22006, प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं सर्जनात्मक लेखन

इस प्रश्नपत्र में प्रयोजन मूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियॉं, जनसंचार माध्यम और सर्जनात्मक लेखन के सन्दर्भ में छात्राओं को जानकारी दी जायेगी।

क्रेडिट – 3	अधिकतम अंक – 75 + 25	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 30 + 10

Total No. of Lectures, Tutorials - Practical (Per Semester) 15 + 30 Per Hours

सेमेस्टर चतुर्थ (चतुर्थ सत्र)

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम

सैद्धान्तिक :

कथा–पटकथा

1. कहानी का नाट्य रूपान्तरण।
2. रेडिया नाटक
3. नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन।
4. फ़ीचर लेखन
5. पटकथा लेखन

प्रायोगिक कार्य :

उपर्युक्त विधाओं में प्रशिक्षित करने हेतु आवश्यक तानुसार कार्यशाला का आयोजन।

सहायक ग्रन्थ :

1. रंग दर्शन : नेमिचन्द्र जैन राधाकृष्ण, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी सिनेमा का सामाजिक व राजनीतिक अध्ययन, अग्निहोत्री कामनवेल्थ पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
3. हिन्दी सिनेमा का सच : सं0 मृत्युंजय वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।